आषाढ़ का पहला दिन

हवा का ज़ोर वर्षा की झड़ी, झाड़ों का गिर पड़ना
कहीं गरजन का जाकर दूर सिर के पास फिर पड़ना
उमड़ती नदी का खेती की छाती तक लहर उठना
ध्वजा की तरह बिजली का दिशाओं में फहर उठना
ये वर्षा के अनोखे दृश्य जिसको प्राण से प्यारे
जो चातक की तरह तकता है बादल घने कजरारे
जो भूखा रहकर, धरती चीरकर जग को खिलाता है
जो पानी वक्त पर आए नहीं तो तिलमिलाता है
अगर आषाढ़ के पहले दिवस के प्रथम इस क्षण में
वही हलधर अधिक आता है, कालिदास से मन में
तो मुझको क्षमा कर देना।

–भवानी प्रसाद मिश्र

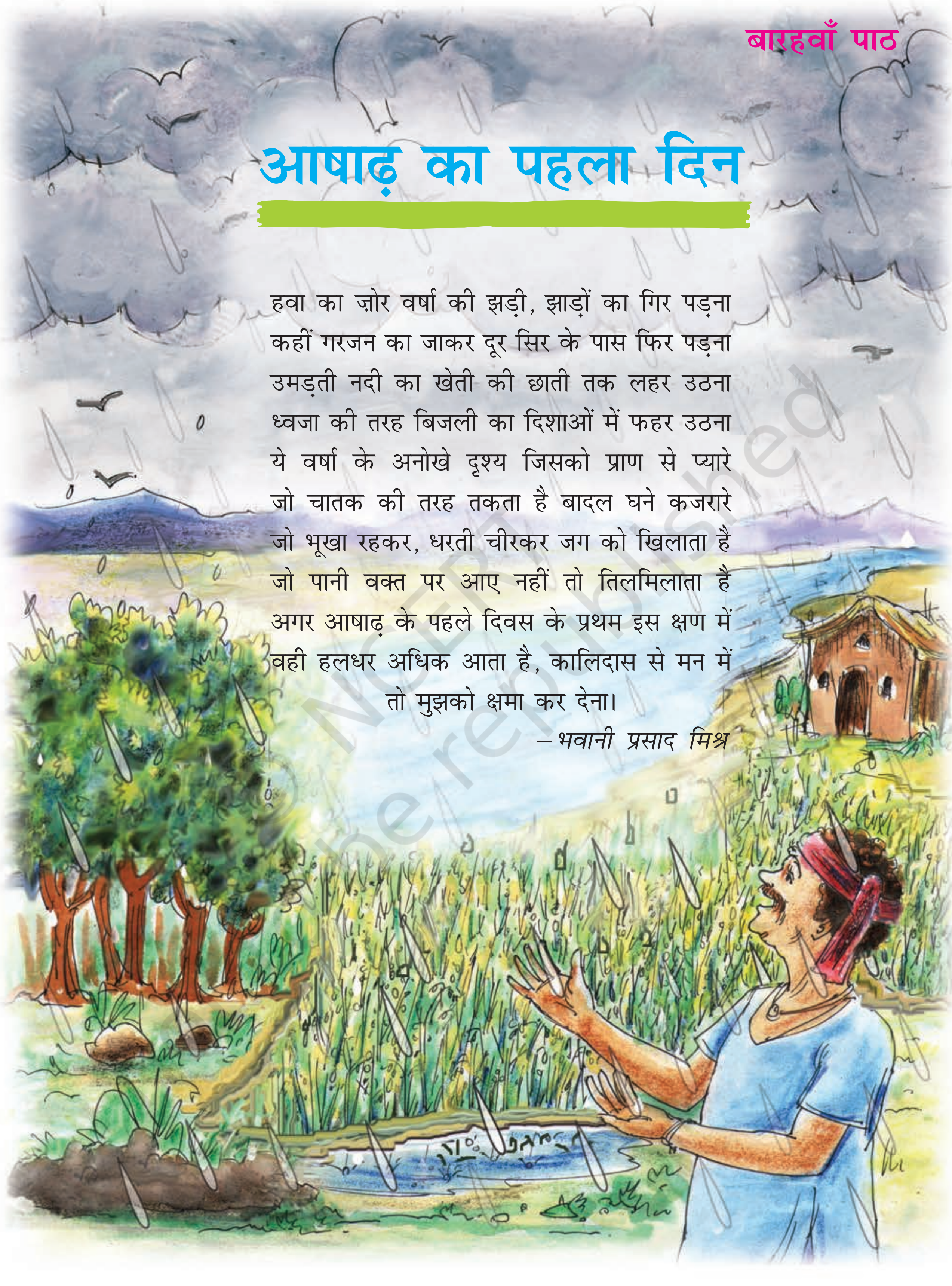

NCERT not to be republished

अभ्यास

शब्दार्थ

ज़ोर	–	तेज़ी
झड़ी	–	हल्की किंतु लगातार वर्षा
झाड़	–	कंटीले पौधों का समूह
गरजन	–	बादलों की गड़गड़ाहट
ध्वजा	–	झंडा
फहरना	–	हवा में लहराना
ताकना	–	देखना
कजरारे	–	काजल जैसे काले
तिलमिलाना	–	बेचैन होना
क्षण	–	पल
चातक	–	पपीहा (ऐसा कहा जाता है कि यह पक्षी केवल स्वाती नक्षत्र में होने वाली वर्षा का जल पीता है इसलिए सदा बादलों की ओर टकटकी लगाए रहता है।)
हलधर	–	किसान

© NCERT not to be republished

1. पाठ से

(क) किसान को बादलों का इंतज़ार क्यों रहता है?

(ख) कवि को वर्षा होने पर किसान की याद क्यों आती है।

(ग) कवि ने किसान की तुलना चातक पक्षी से क्यों की है?

2. पाठ से आगे

(क) कवि ने कविता में वर्षा ऋतु का वर्णन किया है। वर्षा ऋतु के बाद कौन-सी ऋतु आती है? उसके बारे में अपना अनुभव बताओ।

(ख) वर्षा ऋतु से पहले लोग क्या-क्या तैयारियाँ करते हैं? उनमें से कुछ लोगों के बारे में जानकारी एकत्र कर सूची बनाओ।

3. पहला दिन

(क) तुम अपनी कक्षा में जब पहले दिन आए थे तो उस दिन क्या-क्या हुआ था? अपनी याद से अपने अनुभव को दस वाक्यों में लिखकर दिखाओ।

(ख) तुम चाहो तो 'पहला दिन' शीर्षक पर कुछ पंक्तियों की कोई कविता भी लिखकर दिखा सकते हो।

4. सोचो-समझो और बताओ

क्या होगा–

(क) अगर वर्षा बिलकुल ही न हो।

(ख) अगर वर्षा बहुत अधिक हो।

(ग) अगर वर्षा बहुत ही कम हो।

(घ) वर्षा हो मगर आँधी-तूफ़ान के साथ हो।

(ङ) वर्षा हो मगर तुम्हारे स्कूल में छुट्टियाँ हों।

5. कल्पना की बात

कवि अपनी कल्पना से शब्दों के हेर-फेर द्वारा कुछ चीज़ों के बारे में ऐसी बातें कह देता है, जिसे पढ़कर बहुत अच्छा लगता है। तुम भी अपनी कल्पना से किसी चीज के बारे में जैसी भी बात बताना चाहो, बता सकते हो। हाँ, ध्यान रहे कि उन बातों से किसी को कोई नुकसान न हो। शब्दों के फेर-बदल में तुम पूरी तरह से स्वतंत्र हो।

6. तुम्हारा कवि और सबकी कविता

तुमने इस कविता में एक कवि, जिसने इस कविता को लिखा है, उसके बारे में जाना और इसी कविता में एक और कवि कालिदास के बारे में भी जाना। अब तुम बताओ–

(क) तुम्हारे प्रदेश और तुम्हारी मातृभाषा में तुम्हारी पसंद के कवि कौन-कौन हैं?

(ख) उनमें से किसी एक कवि की कोई सुंदर-सी कविता, जो तुम्हें पसंद हो, को हिंदी में अनुवाद कर अपने साथियों को दिखाओ।

7. नमूने के अनुसार

नीचे शब्दों के बदलते रूप को दर्शाने वाला नमूना दिया गया है। उसे देखो और अपनी सुविधानुसार तुम भी दिए गए शब्दों को बदलो।

नमूना – गिरना – गिराना – गिरवाना

उठना

पढ़ना

करना

फहरना

सुनना

© NCERT not to be republished